বাংলা প্রারম্ভিক পাঠ

बंगला भाषा प्रवेशिका

BENGALI PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें
3. स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें
4. लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें
5. उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी
3. पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें
4. क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें
6. क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

" जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।"

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

বাংলা প্রারম্ভিক পাঠ

बंगला भाषा प्रवेशिका

BENGALI PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

বাংলা প্রারম্ভিক পাঠ
बंगला भाषा प्रवेशिका
BENGALI PRIMER

A basal reader of Bengali alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors

Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Ramanujam Meganathan

ISBN: 978-81-970852-9-1

First Edition: December, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Saravanan A S
Cover Photo: Bengali Resource Persons

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही, संस्कृति का एक उपादान भी है। भाषा समुदाय की पहचान होती है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित भी करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है- एक ओर भारत की भाषिक विविधता एवं समृद्धि को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारत के संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं से संबंधित हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों में भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों- यह किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह सशक्त नींव न केवल भविष्य में विद्यालयी एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर) का लक्ष्य छोटे बच्चों या भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से परिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी।

शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

दिसंबर 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका/Introduction/ভূমিকা

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

যুগযুগ ধরে ভারত একটি বহুভাষিক দেশ, যেখানে দেশের বিভিন্ন অঞ্চলে বহু ভাষায় কথা বলা হয়। আমাদের মৌখিক সংগ্রহে একাধিক ভাষার ব্যবহার দেশের একটি সাধারণ বৈশিষ্ট্য; যা আমাদের একত্রিত করে এবং ঐক্যবদ্ধ রাখে। জাতীয় শিক্ষানীতি (এনইপি) 2020 এই ধারণার উপর জোর দেয় যে, ভারতের বহুভাষিক প্রকৃতি একটি বিশাল সম্পদ যা দেশের সামাজিক-সাংস্কৃতিক, অর্থনৈতিক এবং শিক্ষামূলক উন্নয়নের জন্য দক্ষতার সাথে ব্যবহার করা প্রয়োজন। এটি প্রতিটি স্তরে শিক্ষায় বহুভাষিকতা প্রচারের সুপারিশ করে যাতে শিক্ষার্থীরা তাদের নিজস্ব ভাষায় অধ্যয়নের সুযোগ পায়। সমস্ত ভারতীয় ভাষায় পাঠদান-শিক্ষণ সামগ্রী তৈরি এই বহুভাষিক সম্পদকে বাড়িয়ে তুলবে এবং 'বিকশিত ভারত'- গড়ে তুলতে আরও বেশি অবদান রাখবে। আরও বলা যায়, এনইপি 2020-র সঙ্গে সামঞ্জস্য রেখে প্রাথমিক স্তরের প্রারম্ভিক পাঠ উন্নয়নের জন্য একটি ব্যাপক ও অন্তর্ভুক্তিমূলক পদ্ধতির প্রয়োজন যা ভারতের প্রতিটি অঞ্চলের অনন্য ভাষাগত ও সাংস্কৃতিক

বৈশিষ্ট্যগুলিকে নির্দেশ করে। এই প্রারম্ভিক পাঠগুলির লক্ষ্য কেবল পড়া এবং লেখার ক্ষেত্রে ভাষার দক্ষতা প্রদান করা নয়, প্রাথমিক পর্যায়ের শিক্ষার্থীদের মধ্যে সৃজনশীলতা এবং সমালোচনামূলক চিন্তাভাবনাকেও উৎসাহিত করা। এটি একটি ভাষার বর্ণমালা এবং প্রতীকগুলির উচ্চারণ এবং তাদেরকে চিনতে ও বুঝতে পারার চাবিকাঠি। এটি শিশুদের যে কোনও শব্দের প্রাথমিক, মধ্য এবং চূড়ান্ত অবস্থানে অক্ষরের মতো তাদের সংমিশ্রণের মাধ্যমে তৈরি এই বর্ণগুলির এক বা একাধিক পর্যায়ের সঙ্গে পরিচিত করে। সেইসঙ্গে এটি এমন উদাহরণ সরবরাহ করে যা পরে প্রবর্তিত বর্ণগুলি লেখার অনুশীলনকে সহজতর করবে; এবং ছড়াগুলি শিক্ষার্থীদের ভাষার বিকাশ এবং জ্ঞানীয় দক্ষতায় সহায়তা করবে।

दिसंबर 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Bengali Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Coordinator

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Member Coordinator

Sujoy Sarkar, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Editorial Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Dipak Maiti, Kirori Mal College, University of Delhi
Bidisha Bhattacharjee, The International Institute of Information and Technology, Hyderabad
Sonali Sutradhar, Junior Resource Person, Linguistic Data Consortium for Indian Languages (LDC-IL), CIIL, Mysuru

Hindi Reviewer

Satyaendra Kumar Awasthi, Senior Resource Person II, LDC-IL, CIIL, Mysuru

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, NERLC, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

কিভাবে প্রারম্ভিক পাঠ বইটি পড়াতে হবে

বাংলা হল পশ্চিমবঙ্গ ও ত্রিপুরা রাজ্যের সরকারি ভাষা। এটি ইন্দো-আর্য ভাষা পরিবারের অন্তর্গত। স্বাধীনতার পর পশ্চিমবঙ্গ ও ত্রিপুরা রাজ্য সরকার প্রশাসনে আরও বেশি করে আঞ্চলিক ভাষার ব্যবহার শুরু করে। সমগ্র পশ্চিমবঙ্গ, ত্রিপুরা ও বাংলাদেশ এবং বিহার, উড়িষ্যা ও অসমের কিছু অংশে বাংলায় কথা বলা হয়। 1950 সালের পর আন্দামানে বসতি স্থাপন করা বাঙালি শরণার্থীরাও সেখানে ভাষাটি বহন করেছেন। 2011 সালের গণনা অনুযায়ী ভারতবর্ষে বাংলা ভাষাভাষীর সংখ্যা প্রায় 9,72,37,669 জন।

জাতীয় শিক্ষানীতি 2020 এবং জাতীয় পাঠ্যক্রম কাঠামো -2022এর অধীনে তিন থেকে আট বছর বয়সী শিশুদের জন্য মাতৃভাষা, স্থানীয় ভাষা এবং আঞ্চলিক ভাষায় শিক্ষা প্রদানের ব্যবস্থা করা হয়েছে। শিক্ষার্থীদের মাতৃভাষার মাধ্যমে শিক্ষা প্রদানের অনেক সুবিধা রয়েছে। এটি শিশুদের মধ্যে তাদের মাতৃভাষার প্রতি ভালবাসার অনুভূতি জাগিয়ে তোলে। এই পরিপ্রেক্ষিতে, কেন্দ্রীয় সরকার তিন থেকে ছয় বছর বয়সী শিশুদের 'বালভাটিকা' এবং প্রাথমিক স্তরে শিশুদের মৌলিক সাক্ষরতা প্রদানের ব্যবস্থা করেছে। এটি আঞ্চলিক গান এবং গল্পের মাধ্যমে শিশুদের নীরবতা দূর করে তাদের মৌখিক ভাষার বিকাশের উপর দৃষ্টি নিবদ্ধ করে। গল্প বলা এবং কথোপকথন অনুশীলনের মাধ্যমে এটি করা হচ্ছে। এর পাশাপাশি শিশুদের কণ্ঠস্বরের ভূমিকা, বর্ণমালার ভূমিকা, পড়া ও লেখার অনুশীলনের জন্যও এই ভাষা শিক্ষার বই ব্যবহার করা হচ্ছে।

'বালভাটিকা' স্তর থেকে তৃতীয় শ্রেণী পর্যন্ত শিশুদের মাতৃভাষায় শিক্ষা দিলে তাদের বুদ্ধিবৃত্তিক বিকাশের পাশাপাশি সৃজনশীলতা এবং কল্পনাশক্তিরও বিকাশ ঘটতে পারে। শিশুরা কীভাবে ধীরে ধীরে হিন্দি শিখতে পারে এবং তাদের মাতৃভাষায় পড়তে ও লিখতে শেখার পাশাপাশি হিন্দি ভাষায় পড়তে ও লিখতে পারে তার অর্থপূর্ণ পদ্ধতি জাতীয় পাঠ্যক্রম কাঠামো, 2022-এ বিস্তারিতভাবে লেখা হয়েছে। এই বইয়ে শিশুদের জন্য সংস্কৃতি ও পরিবেশ থেকে শব্দভান্ডার সংগ্রহ করা হয়েছে এবং স্থান দেওয়া হয়েছে।

বহুভাষিক শিক্ষার মূল লক্ষ্য হল রাজ্যের ভাষায় পড়া ও লেখার দক্ষতা বৃদ্ধির সঙ্গে সঙ্গে শিশুরা যাতে হিন্দি ভাষায় পড়া ও লেখা শুরু করতে পারে। বাংলা ও হিন্দি ভাষায় উপস্থাপিত এই বইটি পশ্চিমবঙ্গ রাজ্যের বাংলার শিক্ষক ও শিক্ষার্থীদের জন্য প্রস্তুত করা হয়েছে। মৌলিক সাক্ষরতার চারটি প্রধান ধাপ রয়েছে। প্রথম ধাপে গল্প এবং ছবির মাধ্যমে শিশুদের বুদ্ধিবৃত্তিক বিকাশ করা হয়। এরপরে ভাষা শিক্ষার জন্য, শিশুদের বস্তুর পাশাপাশি শব্দের সাথেও পরিচয় করিয়ে দেওয়া হয়। বর্ণে সাজানো শব্দগুলি শিশুরা বুঝতে পারে। প্রতিশব্দ হিসাবে, শিশুরা পৃথক পৃথক অক্ষরগুলিকে আলাদা করে চিনতে শেখে। এই পাঠোদ্ধারের মাধ্যমে শিশুরা শব্দ এবং বর্ণের মধ্যে সম্পর্ক বুঝতে পারে। ভাষা শিক্ষার বইটি কীভাবে পড়তে হয় তার মৌলিক বিষয়গুলি নীচে লেখা আছে।

ধ্বনি পরিচয় : শিশুরা ছবিটির দিকে তাকাবে এবং বস্তুটির নাম বলবে। শিক্ষকরা জিজ্ঞাসা করবেন, ছবিটির নাম কোন বর্ণ দিয়ে শুরু হয়েছে? উদাহরণস্বরূপ, 'অ' বর্ণ দিয়ে শুরু হওয়া 'অজগর'-এর ছবি দেখলে শিশুরা তা চিনতে পারবে।

অক্ষর পরিচয় : শিক্ষক প্রথমে শিশুদের বলবেন 'অ' বর্ণটি দেখতে কেমন। প্রদত্ত কিছু শব্দের মধ্যে 'অ' বর্ণটি সনাক্ত করতে বলতে হবে। তিন বা চারটি শব্দের মধ্যে শিশুরা 'অ' ধ্বনি বা বর্ণের শব্দ উচ্চারণ করবে এবং 'অ' বর্ণটি লেখার অনুশীলন করবে।

পড়া : শিশুরা ছবি দেখে তাদের নিজস্ব ভাষায় সেটি বলবে। শিশুরা তাদের আঙুল বাঁ থেকে ডানে চালিয়ে 'অজগর' শব্দটি পড়বে। অন্য শব্দগুলি পড়ার মাধ্যমে এবং যেখানে 'অ' বর্ণটি শব্দের মধ্যে রয়েছে, শিশুরা 'অ' চিনতে এবং পড়তে পারবে। শিক্ষক শিশুদের বলবেন, 'অ' ধ্বনি বা বর্ণটি কোথায় আছে- এটি শব্দের শুরুতে, মাঝখানে এবং শেষে আসতে পারে।

বোর্ড বা পর্দায় 'অ' পড়ার সময় শিক্ষক 'অজগর' শব্দের পাশাপাশি আরও তিনটি বা চারটি শব্দ লিখবেন। তিনি শিশুদের শব্দ পড়তে এবং অক্ষর চিনতে বলবেন। শিশুরা বইয়ের ছবিগুলি দেখে এই শব্দগুলি চিনতে পারবে। শিশুরা তাদের মাতৃভাষায় এটি পড়তে স্বাচ্ছন্দ্য বোধ করবে। এটি শিশুদের বর্ণ, শব্দ এবং ধ্বনির সঙ্গেও পরিচয় করিয়ে দিতে পারে। একটি শিশু যখন শব্দটি পড়বে, অন্য শিশুরাও একসাথে শব্দটি পুনরাবৃত্তি করবে। একে বলা হয় 'সমষ্টিগত পাঠ'।

লেখা : শিক্ষকরা প্রথমে শিশুদের 'অজগর' শব্দের 'অ' লিখতে শেখাবেন। শিক্ষকরা শিশুদের দেখাবেন কীভাবে কলমটি বাম থেকে ডানে সরানো যায়। এর পরে, শিশুরা বইটিতে দেওয়া ফাঁকা জায়গায় এবং বর্ণমালা দেখে নিজেরাই 'অ' লিখবে। শিশুরা পড়ার ও লেখার সময় শিক্ষকরা তাদের সহায়তা করবেন।

শিশুদের মৌখিক ভাষার বিকাশের জন্য প্রতিটি বর্ণের জন্য দুই থেকে তিনটি বাক্যের ছোট গান দেওয়া হয়েছে। শিক্ষক গান গাওয়া ও পড়ার মাধ্যমে শিশুদের সঙ্গে এটি নিয়ে আলোচনা করবেন এবং বিদ্যালয়ের গ্রন্থাগারে রাখা শিশুদের গল্পের বই থেকে গল্প পড়েও শিশুদের সঙ্গে এটি নিয়ে আলোচনা করবেন। শিক্ষকরা প্রথম ও দ্বিতীয় শ্রেণির শিশুদের তাদের মাতৃভাষায় গল্প ও গান শোনাবেন। প্রারম্ভিক পাঠে দেওয়া সমস্ত শব্দই সাক্ষরতার একটি নমুনা মাত্র। শিশুরা শত শত শব্দ জানে। একটি ধ্বনি বা বর্ণ দিয়ে শব্দ জিজ্ঞাসা করলে শিশুরা একাধিক শব্দ শোনাতে পারে। শিক্ষক আপনাকে 'অ' দিয়ে শুরু হওয়া কয়েকটি শব্দ জিজ্ঞাসা করতে পারেন।

শিশুদের সুবিধার জন্য, বাংলা ভাষায় পূর্বে আয়ত্ত বর্ণমালা থেকে গান/অক্ষর/শব্দ দেওয়া হয়। এগুলি শেখার সময় শিশুরা তাদের মাতৃভাষার মাধ্যমে হিন্দির শব্দ এবং লিপিও শিখতে পারে।

নিচের রেখাগুলি দেখো এবং ফাঁকা জায়গায় আঁকার চেষ্টা করো :

উল্লম্ব রেখা :

অনুভূমিক রেখা :

তির্যক রেখা ১ :

তির্যক রেখা ২ :

বক্ররেখা ১ :

বক্ররেখা ২ :

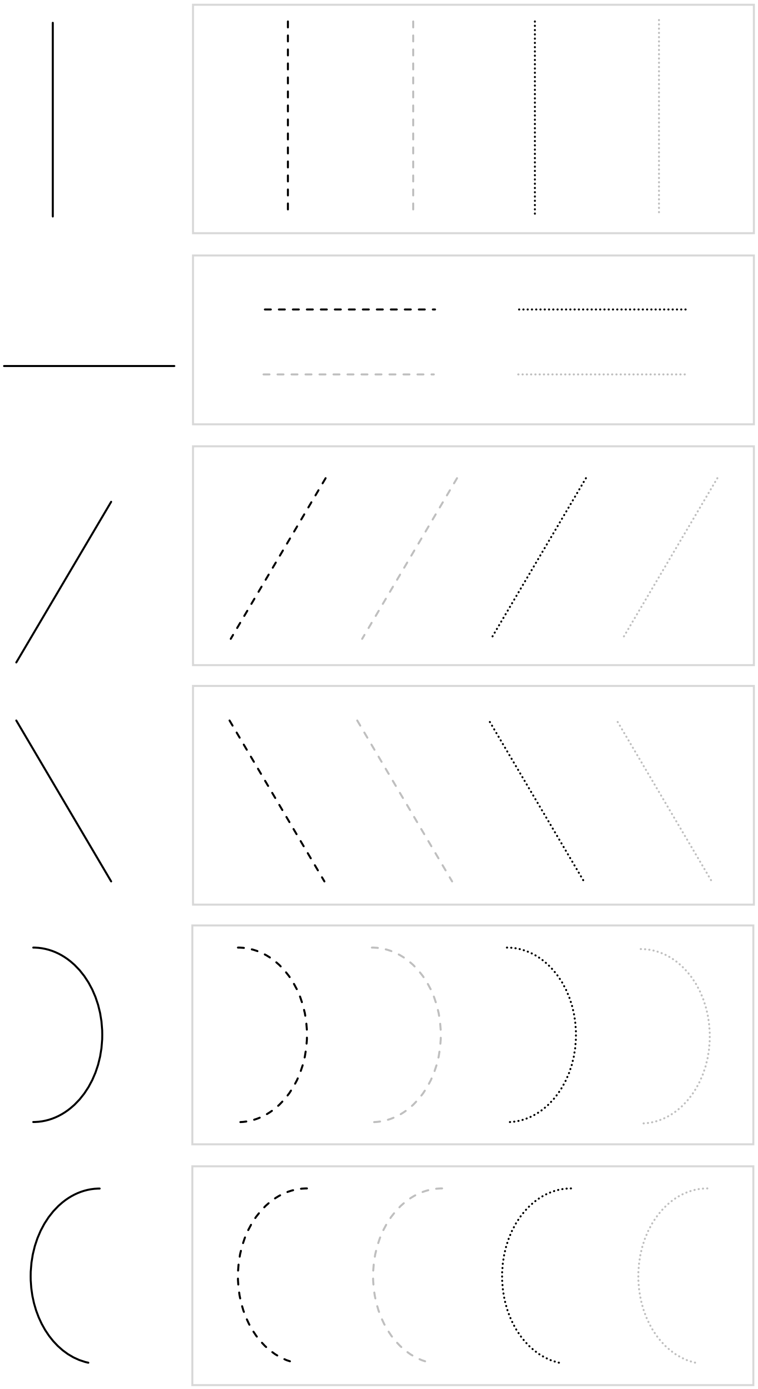

দ্রষ্টব্য : শিক্ষক শেখাবেন কীভাবে কলম/পেন্সিল ধরতে হবে এবং প্রদত্ত স্থানে রেখা আঁকতে হবে।

বর্ণমালা

স্বরবর্ণ

অ	আ	ই	ঈ	উ	ঊ	ঋ
এ	ঐ	ও	ঔ			

ব্যঞ্জনবর্ণ

ক	খ	গ	ঘ	ঙ		
চ	ছ	জ	ঝ	ঞ		
ট	ঠ	ড	ঢ	ণ		
ত	থ	দ	ধ	ন		
প	ফ	ব	ভ	ম		
য	র	ল	শ	ষ	স	হ
ড়	ঢ়	য়	ৎ	ং	ঃ	ঁ

অ

অপরাজিতা

अपराजिता

অ-এ অজগর সাপ,
সে যে বিষহীন।
অ-তে অপরাজিতা
আর অরণ্য প্রাচীন।

অশোক	অমলতাস	অরণ্য
अशोक	अमलतास	जंगल

অ অ অ

আ

আম

आम

কাঁচা আম, পাকা আম,
আলু আর আতা।
বাদলের দিনে চাই,
লাল নীল ছাতা।

আলু

आलू

আঙুর

अंगूर

আতা

शरीफा

আ আ আ

ই

ইলিশ

हिलसा

ইলিশ মাছের রাজা,
খেতে ভারী মজা।
দই চাই দই,
টাটকা তাজা দই।

ইট	কড়াইশুঁটি	দই
ईंट	मटर	दही

ই ই ই

ঈ

ঈগল

गरुड़

ঈগল বসে ডালের ’পরে,
সুযোগ পেলেই শিকার করে।
ঈশান কোণে মেঘ,
ঝড়ের প্রচুর বেগ।

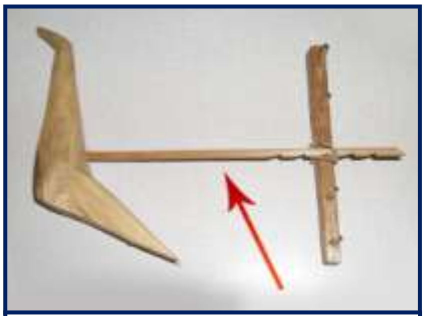

ঈষ	ঈষিকা	ঈশান কোণ
हरीस	काँस	ईशान कोण

ঈ ঈ ঈ

উ

উট

ऊँट

মরুভূমির জাহাজ উট,
এদিক ওদিক চায়,
বালির ’পরে ঘুরে বেড়ায়,
কাঁটা গাছ খায়।

উল

ऊन

নেউল

नेवला

লাউ

लौकी

উ উ উ

ঊ

ঊষা

ঊষা

ঊষার পরে আসে ভোর,
আঁধার ঘোচায় আলো।
সকালবেলায় উঠে পড়ে,
পড়তে বসা ভালো।

ঊরু

জাঁঘ

ঊর্মি

তরংগ

ঊলুপ

চাঁদ

ঊ ঊ ঊ

ঋ

ঋষি

ঋষি

ঋষি মশাই বসেন পূজায়,
মন্ত্র করেন পাঠ।
তিনি এখন বৃদ্ধ অনেক,
বয়স এখন ষাট।

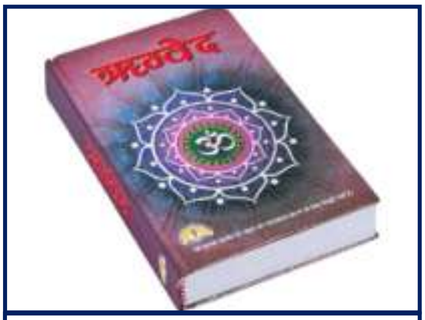

ঋণ	ঋতু	ঋগ্বেদ
ঋণ	ঋতু	ঋগ্বেদ

ঋ ঋ ঋ

এ

একতারা

एकतारा

একতারাতে সুর বাজিয়ে,
বাউল করেন গান।
এলাচ দানা পানে দিয়ে,
ঠাকুমা খান পান।

এলাচ	এসরাজ	এঁচোড়
इलायची	सारंगी	कटहल (कच्चा)

এ এ এ

ঐ

ঐরাবত

ऐरावत

ঐ-তে ঐরাবত,
ঐ-তে ঐশ্বর্য,
সবে মিলে করলে কাজ,
তবেই হবে ঐক্য।

ঐক্য	ঐশ্বর্য	ঐ
एकता	धन–दौलत	ঐ

ঐ ঐ ঐ

ও

ওল

जिमीकंद

ওল খেয়ো না ধরবে গলা,
আর ধরবে গাল।
মাঠে মাঠে চড়ে বেড়ায়,
সাদা মেঘের পাল।

ওড়না

दुपट्टा

ওলকপি

शलजम

তাওয়া

तवा

ও ও ও

ঔ

ঔষধ

দবাই

ঔষধ খেতে খুব তেতো,
তবু খেতে হয়।
নিয়ম মেনে ঔষধ খেলে,
শরীর ভালো হয়।

ঔষধালয়

দবাখানা

ঔ ঔ
ঔ ঔ

ঔ ঔ ঔ

ক

কলম

कलम

কলমেতে থাকে কালি,
দমকলে জল।
মাঠে ঘাটে বক থাকে,
দেখবি তোরা চল।

কলা	দমকল	বক
केला	दमकल	बगुला

ক ক ক

খ

খরগোশ

खरगोश

খরগোশ, খরগোশ,
ধবধবে সাদা,
খড়ের আঁটি মাথায় নিয়ে,
বাড়ি ফেরেন দাদা।

খড়	আখরোট	আখ
सूखी घास	अखरोट	गन्ना

খ খ খ

গ

গরু

গায

গদা হাতে পালোয়ান,
জিভে গজা খায়।
গরু চড়িয়ে রাখাল বালক,
বাড়ি ফিরে যায়।

গজা	ছাগল	মোরগ
शक्कर पारा	बकरी	मुर्गा

গ গ গ

ঘ

ঘড়ি

घड़ी

ঘড়ি চলে টিক্ টিক্,
ঘুড়ি ওড়ে বাতাসে।
বাঘ মামা থাকে বনে,
ঘুঘু ওড়ে আকাশে।

ঘুড়ি	ঘুঘু	বাঘ
पतंग	फाख्ता	बाघ

ঘ	ঘ	ঘ	

ঙ

ব্যাঙ

मेढ़क

ঘ্যাঙর ঘ্যাঙর ঘ্যাং,
ডাকছে কোথাও ব্যাঙ।
নদীর ধারে নৌকা অনেক,
নেই যে তাদের ঠ্যাং।

নোঙর

लंगर

রঙ

रंग

কামরাঙা

कमरख

ঙ ঙ ঙ

চ

চশমা

चश्मा

চশমা পরা দাদামশাই,
ফুচকা খেতে চায়।
রুপোর চামচ মুখে নিয়ে,
চিল উড়ে যায়।

চিল	ফুচকা	চামচ
चील	पानीपुरी	चम्मच

চ	চ	চ	

ছ

ছড়ি

छड़ी

ছ-য়ে ছড়ি ছ-য়ে ছাতা,
আর বড় গাছ।
মাছরাঙা খালে বিলে,
ধরে ছোট মাছ।

ছাতা

छाता

মাছরাঙা

मीनरंक

গাছ

पेड़

ছ ছ ছ

জ

জল

पानी

নদী ভরা জল আছে,
গাছ ভরা জবা।
তরমুজ কিনে আনে,
হাট থেকে বাবা।

জবা

गुड़हल

গাজর

गाजर

তরমুজ

तरबूज

জ জ জ

ঝ

ঝড়

আঁধী

ঝড় আসে বৈশাখে,
বর্ষায় জল।
শীতকালে পিঠে দেখে,
জিভে আসে জল।

ঝাঁটা

ঝাড়ু

ঝাঁঝরি

ছন্নী

সাঁঝ

সংধ্যা

ঝ ঝ ঝ

ঞ

চঞ্চু

चोंच

গঞ্জের পথের ধারে,
মঞ্জরি দেখা যায়।
খঞ্জনি বাজিয়ে কানাই,
গান গেয়ে বেড়ায়।

মঞ্জরি

मंजरी

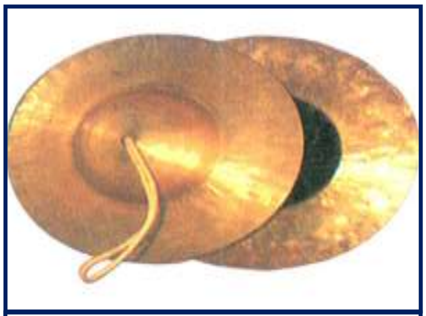

খঞ্জনি

झाँझ

গঞ্জ

गाँव

ঞ ঞ ঞ

ট

টগর

চাঁদনী ফুল

টবে ফুটে আছে ফুল,
সাদা সাদা টগর।
পাট গাছ সারি সারি,
কত তার বহর।

টব

गमला

পটল

परवल

পাট

पटसन

ট ট ট

ঠ

ঠাকুরমা

দাদী

কাঠবিড়ালি কাঠ খায় না,
খায় সে কাঠবাদাম।
কাঠবাদামে কাঠ থাকে না,
থাকে শুধুই বাদাম।

ঠেলাগাড়ি	কাঠবিড়ালি	কাঠ
ठेला	गिलहरी	लकड़ी

ঠ ঠ ঠ

ড

ডুগডুগি

डमरू

ডম ডম ডম ডম,
ডুগডুগি বাজে।
ডিম খেয়ে দুই ভাই,
ধিনা ধিন নাচে।

ডিম	গন্ডার	ডুমুর
अंडा	गेंडा	गूलर

ড ড ড

ঢ

ঢাক

ঢাক

ঢাক বাজে সানাই বাজে,
বাজছে এখন ঢোল।
বউ আসার সময় হল,
অনেক কলরোল।

ঢেঁড়স

ভিংডী

ঢোল

ঢোল

ঢেঁকি

ঢেকী

ঢ ঢ ঢ

ণ

হরিণ

हिरण

হরিণ তৃণ খায়,
একা একা বনে।
অমর বীণা বাজায়,
উঠোনের কোণে।

তৃণ

घास

বীণা

वीणा

কিরণ

किरण

ণ ণ ণ

ত

তবলা

तबला

তবলায় তাল বাজে,
ধা ধিনা না তিনা তা।
তাঁত চলে খট্ খট্,
ধিন তানা না।

তালা

ताला

তেঁতুল

इमली

তাঁত

करघा

ত ত ত

থ

থলি

थैला

থলি ভরা আছে চাল,
থালা ভরা ভাত।
পথ হোক পাথরময়,
তবু রাখো হাতে হাত।

থালা	পাথর	পথ
थाली	पत्थर	सड़क

থ থ থ

দ

দড়ি

रस्सी

দড়ি বাঁধা নৌকা,
পাশে রাখা দাঁড়।
সরোদ আর একতারা,
তাতে আছে তার।

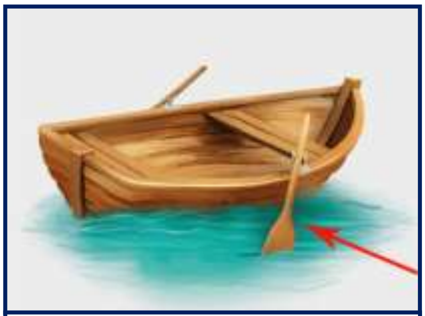

দাঁড়

चप्पू

চাদর

चादर

সরোদ

सरोद

দ দ দ

ধ

ধামা

टोकरी

ধামা ভরা আছে মুড়ি,
গোলা ভরা ধান।
দুধ ভাত খেতে পেলে,
ভরে মন প্রাণ।

ধান

धान

বাঁধাকপি

पत्तागोभी

দুধ

दूध

ধ ধ ধ

ন

নদী

नदी

ন-তে নদী বয়ে চলে,
আপনার মনে।
বানর লাফিয়ে বেড়ায়,
আগানে বাগানে।

নয়নতারা	বানর	বেগুন
सदाबहार	बंदर	बैंगन

ন ন ন

প

পলাশ

पलाश

পলাশ রাঙা, শিমুল রাঙা,
আর রাঙা জবা।
বনের ধারে বসেছে আজ,
পশু রাজের সভা।

পেঁচা

उल्लू

পাঁপড়

पापड़

পেঁপে

पपीता

প প প

ফ

ফড়িং

पतिंगा

ফড়িং নাচে গাছে,
প্রজাপতির পাছে।
থোকা থোকা আঁশফল,
গাছে ঝুলে আছে।

ফল	আঁশফল	জিরাফ
फल	लोंगन फल	जिराफ

ফ ফ ফ

ব

বই

কিতাব

বাড়ি বসে বই পড়ে,
যদু আর মধু।
কাঠ কাটে জঙ্গলে,
কাঠুরিয়া সদু।

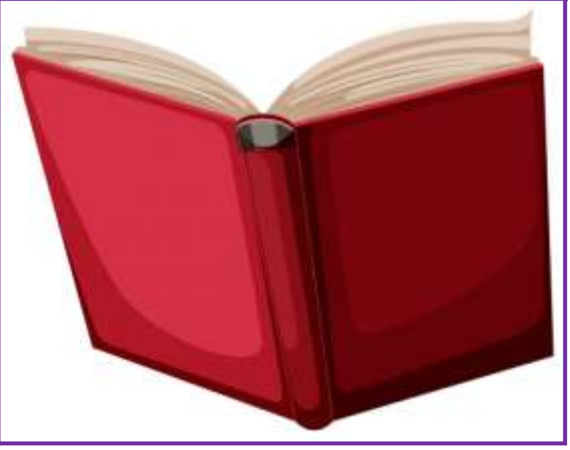

বাড়ি	বরবটি	ডাব
ঘর	লোবিয়া	নারিয়ল

ব ব ব

ভ

ভালুক

भालू

ভালুক, ভোঁদড় খেলা দেখায়,
দেখতে তুমি চাও?
মাটির ভাঁড়ে গরম গরম,
চা ঢেলে খাও।

ভোঁদড়	ভাঁড়	জিভ
ऊदबिलाव	कुल्हड़	जीभ

ভ ভ ভ

ম

মধু

शहद

মৌমাছি, মৌমাছি,
মধু দিয়ে যাও।
চিঁড়ে, মুড়ি, কলা আর,
গুড় মেখে খাও।

মৌমাছি

मधुमक्खी

আমলকি

आँवला

জাম

जामुन

ম ম ম

য

যব

जौ

যবের দানা যাঁতায় দিয়ে,
ছাতু বানায় দাদা।
যোগ ব্যায়াম ভালো হবে,
পরলে পোশাক সাদা।

যানবাহন

वाहन

যোগ ব্যায়াম

योग

যাঁতা

चक्की

য য য

র

রসুন

लहसुन

রসুনের বাটা দিয়ে,
রেঁধে নাও ঝোল।
দরজায় দাঁড়িয়ে,
বাজায় সে খোল।

রুটি

रोटी

দরজা

दरवाजा

ময়ূর

मोर

র র র

ল

লতা

লতা

ল-য়ে লতা, ল-য়ে লুচি,
আর পাকা তাল।
আম, জাম, কলা, লিচু,
আর মিষ্টি কাঁঠাল।

লুচি	চালতা	তাল
পূরী	চালতা	তাড়

ল	ল	ল	

শ

শশা

खीरा

শশা আর, কলা খাও
খাও পাকা আম।
আনারস, ডাব, আতা
আর কালোজাম।

শকুন

गिद्ध

আরশোলা

तिलचट्टा

বাঁশ

बाँस

শ শ শ

ষ

ষাঁড়

साँड़

কৃষক চালায় হাল,
ফলায় সোনার ফসল।
হেলে দুলে চলছে দেখ,
মহিষের দল।

সরষে

सरसों

কৃষক

किसान

মহিষ

भैंसा

ষ ষ ষ

স

সবেদা

चीकू

সাদা হাঁস প্যাক্ প্যাক্,
জলে করে খেলা।
মাঠ ভরে ফুটে আছে,
সূর্যমূখী মেলা।

সূর্যমূখী

सूरजमुखी

রসগোল্লা

रसगुल्ला

আনারস

अनानास

স স স

হ

হনুমান

लंगूर

সিংহ থাকে গভীর বনে,
হনুমান ডালে।
সাদা সাদা রাজহাঁস,
চড়ে বেড়ায় জলে।

হলুদ	রাজহাঁস	সিংহ
हल्दी	हंस	शेर

হ হ হ

ড়

বাদুড়

চমগাদড়

বাদুড় ও মাকড়শা,
থাকে ভূত বাড়িতে।
নাড়ু, মুড়ি, চিঁড়ে আছে,
পিতলের হাঁড়িতে।

মাকড়শা

মকড়ী

খড়ম

খড়াঊঁ

নাড়ু

নারিয়ল লড্ডু

ড় ড় ড়

ঢ়

আষাঢ়

आषाढ़

গাঢ়, ঘন মেঘ ভাসে,
আষাঢ়ের আকাশে।
প্রৌঢ়ার চুল ওড়ে,
বাদলের বাতাসে।

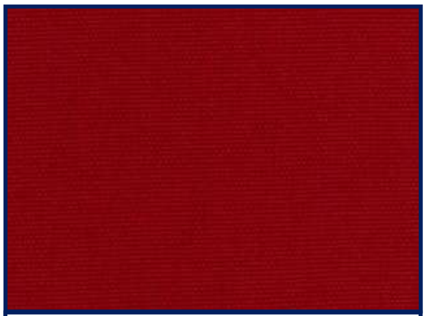

প্রৌঢ়া	গাঢ় লাল	ঢ়
वृद्ध महिला	गहरा लाल	ঢ়

ঢ় ঢ় ঢ়

য়

কয়লা

कोयला

কয়লার রঙ কালো,
আয়নাটা খুব ভালো।
পায়রা বসে ছাদে,
বাঘ পড়েছে ফাঁদে।

আয়না	পায়রা	পানীয়
दर्पण	कबूतर	पेय

য়	য়	য়	

ৎ

মৎস্য

মছলী

মৎস্য হাতে জ্যোৎস্না রাতে,
জামাইবাবু যায়।
আকাশ জুড়ে মেঘ করেছে,
বিদ্যুৎ চমকায়।

বিদ্যুৎ	জ্যোৎস্না	সৌরজগৎ
बिजली	चाँदनी	सौर मंडल

ৎ	ৎ	ৎ	

ং

আংটি

अँगूठी

চিংড়ি মাছের মালাইকারি,
আর ট্যাংরার ঝাল।
মা রাঁধবে আর বাড়বে,
আমরা খাবো কাল।

চিংড়ি

झींगा

ট্যাংরা

टेंगड़ा मछली

শিং

सींग

ং ং ং

◌ঃ

প্রাতঃকাল

सुबह

প্রাতঃকালে পাখিরা,
গান গায় বনে।
খোকা-খুকু বসে বসে,
সেই গান শোনে।

নভঃ

नभ

নমঃ

नमः

◌ঃ

◌ঃ

◌ঃ ◌ঃ ◌ঃ

ঁ

বাঁশি

বাঁসুরী

বাঁশি বাজায় রাখাল বালক,
ইঁদুর খাবার খায়।
কাঁকড়া করে তিড়িং বিড়িং,
নদীর কিনারায়।

ইঁদুর

চূহা

কাঁকড়া

কেকড়া

কাঁসর

ঘংটা–ঘড়িয়াল

ঁ ঁ ঁ

স্বরবর্ণ	মাত্রা	উদাহরণ	ছবি
অ	◌	কদম	
আ	◌া	জামা	
ই	◌ি	বিড়াল	
ঈ	◌ী	দীপ	
উ	◌ু	কুকুর	

স্বরবর্ণ	মাত্রা	উদাহরণ	ছবি
ঊ	◌ূ	সূর্য	
ঋ	◌ৃ	পৃথিবী	
এ	ে◌	মেঘ	
ঐ	ৈ◌	শৈল	
ও	ে◌া	গোলাপ	

স্বরবর্ণ	মাত্রা	উদাহরণ	ছবি
ঔ	ৌ	নৌকা	

চলো গুণতে শিখি :			
১	এক		१
২	দুই		२
৩	তিন		३
৪	চার		४
৫	পাঁচ		५
৬	ছয়		६
৭	সাত		७
৮	আট		८
৯	নয়		९
১০	দশ		१०

১১	এগারো		११
১২	বারো		१२
১৩	তেরো		१३
১৪	চৌদ্দ		१४
১৫	পনেরো		१५
১৬	ষোলো		१६
১৭	সতেরো		१७
১৮	আঠারো		१८
১৯	উনিশ		१९
২০	কুড়ি		२०

চলো নিচের সংখ্যাগুলি লিখি :

১	১	১	১	
২	২	২	২	
৩	৩	৩	৩	
৪	৪	৪	৪	
৫	৫	৫	৫	
৬	৬	৬	৬	
৭	৭	৭	৭	
৮	৮	৮	৮	
৯	৯	৯	৯	
১০	১০	১০	১০	

১১	১১	১১	১১	
১২	১২	১২	১২	
১৩	১৩	১৩	১৩	
১৪	১৪	১৪	১৪	
১৫	১৫	১৫	১৫	
১৬	১৬	১৬	১৬	
১৭	১৭	১৭	১৭	
১৮	১৮	১৮	১৮	
১৯	১৯	১৯	১৯	
২০	২০	২০	২০	

হিন্দি বর্ণমালা
(हिंदी वर्ण)

স্বরবর্ণ
(स्वर वर्ण)

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	

ব্যঞ্জনবর্ণ
(व्यंजन वर्ण)

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह		
क्ष	त्र	ज्ञ		
श्र	ड़	ढ़		

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1	2	3	4	5
Install ePathshala Scanner app from Play Store and open	Get ready with QR code scanning window	Place scanner above the QR code	Select and click on the link	Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1	2	3	4	5	6
Select preferred language	Choose your role: Student or Teacher	Grant access and allow app permissions	Tap to scan the QR code	Focus camera on the QR code in textbook	Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SÜMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAON	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDESHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESIA	19	KHARIA	30	KUZHALE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHIAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	BENGALI	85	GUJARATI	90	KORWA	95	MARATHI	100	ODIA
81	BHILI	86	KANDHA (KONDH)	91	LAHAULI	96	MARING	101	PARJI (DURUA)
82	BISHNUPRIYA MANIPURI	87	KANNADA	92	MAITHILI	97	MONPA	102	PHOM
83	CAR NICOBARESE (PŪ)	88	KHASI	93	MALAYALAM	98	MUNDA	103	PUNJABI
84	DOGRI	89	KONKANI	94	MALTO	99	NANCOWRY (MÖÜT)	104	TELUGU

PRIMER DEVELOPMENT IN PROGRESS (18)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
105	BALTI	109	HINDI	113	PAITE	117	SINDHI	121	ZEME (ZEMI)
106	CHOKRI	110	KASHMIRI	114	SANGTAM	118	THADOU-KUKI	122	ZOU
107	GANGTE	111	KOKBOROK (TRIPURI)	115	SANSKRIT	119	URDU		
108	GONDI-TELUGU	112	LAI (PAWI)	116	SANTALI (JHARKHAND)	120	VAIPHEI		

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in